>

Title: Need for co-education school system in Sainik School in India.

श्रीतापिरगाव (अरुणाचलपूर्व): मैंअपनीकाँस्टीट्यूएंसीऔरअपनेस्टेटसेहटकरदेशहितमेंअपनीबातइससदनमेंरखनाचाहताहूं ।मिनिस्टरसाहबभीयहांहैं ।मेरीआवाजभारतवर्षकीबेटियोंकीपुकारहै ।आजमोदीजीके 'बेटीबचाओ, बेटीपढ़ाओ' मिशनमेंहमशामिलहैं । देशभरमेंसैनिकस्कूलहैं ।उनमेंसेएक-दोस्कूलोंमेंको-एजुकेशनहै, बाकीसैनिकस्कूलोंमेंपढ़नेसेहमारीबेटियांवंचितहैं । एयरफोर्समेंहमनेमहिलाओंकोकाँबैटऑपरेशनमेंडालाहैऔरपैरामिलिट्रीमेंहमनेअपनीबहनोंकोकाँबैटऑपरेशनमेंडालाहै ।क्योंनहमअपनीबेटियोंको, जहां-जहांभीसैनिकस्कूलहैं, उनकोको-एजुकेशनकरनेकाऑर्डरदियाजाए । "बेटीबचाओ, बेटीपढ़ाओ" मिशनमोदीजीकेनेतृत्वमेंहमचलारहेहैंतोहरप्रदेशमेंनसही, हरजोनमें, नॉर्थ, ईस्ट, वेस्ट, साउथऔरपूरेभारतवर्षमेंबेटियोंकेलिएसैनिकस्कूलखोलेजाएं ।इससेआनेवालेसमाजमें, पैरामिलिट्रीफोर्सेस, नेवी, आर्मीऔरएयरफोर्समेंहमारीबेटियोंकाभविष्यबुलंदहोसकेगा । इसकेलिएमैंसरकारकेसामनेऔरइससदनमेंइसइश्यूकोरखताहूं ।धन्यवाद ।

माननीयअध्यक्ष :जोभीमाननीयसदस्यअपनेकोएसोसिएटकरनाचाहतेहैं, वहटेबलपरलिखकरदेदियाकरें ।

श्रीकुलदीपरायशर्मा, श्रीरितेशपाण्डेय, श्रीअनुभवमोहंतीऔर श्रीमतीवांगागीताविश्वनाथकोश्रीतापिरगावद्वाराउठाएगएविषयकेसाथसंबद्धकरनेकीअनुमतिप्रदानकीजातीहै ।